Title: Need to send central team to evaluate the losses and give relief amount to the flood afected areas of Bihar.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी (दरभंगा): अध्यक्ष जी, मैं एक अहम मामला सदन के सामने रखना चाहता हूं और चाहता हूं कि सरकार इस पर जवाब दे। आज नार्थ बिहार का पूरा हिस्सा सैलाब के अंदर डूबा है। नेपाल में वर्षा से पहाड़ों पर जमा हुआ पानी यहां आ रहा है। मैं सरकार का ध्यान इस तरफ ले जाना चाहता हूं कि वह सियासी टीम तो कभी तमिलनाडू में, कभी बंगाल में और कभी बिहार में भेज देती है, लेकिन उत्तरी बिहार में जहां के अवाम पर विपत्ति आई है, उस तरफ कोई अध्ययन दल नहीं भेजती। आज नार्थ बिहार में एक-दो जगह नहीं, बल्कि दर्जनों जगह बांध टूट गए हैं। नार्थ बिहार की आबादी पांच-छः करोड़ है। वहां आधे से ज्यादा लोग पानी के अंदर डूबे हुए हैं। हजारों लोग बीमारी में फंसे हुए हैं और लाखों लोग बीमार हो चुके हैं। लाखों घर उजड़ गए हैं, सड़कें टूट गई हैं और कई जगहों पर रेल्वे लाइन भी टूट गई है। बिहार सरकार की जितनी क्षमता और ताकत है, उसके हिसाब से वह लोगों की सहायता कर रही है और गांव-गांव जा रही है। मेरा अनुरोध है कि केन्द्र सरकार जल्द से जल्द वहां टीम भेजे। बिहार का बकाया पैसा यहां पड़ा हुआ है, पांच-छः साल का ऐलान किया हुआ पैसा आज तक वहां नहीं पहुंचा। वहां की सड़कों की हालत पहले जो थी, वैसी ही है। यहां से कई मर्तबा पैसे का ऐलान हुआ, लेकिन कभी भेजा नहीं गया।

MR. SPEAKER: Shri Fatmi, please conclude now. Last week also, we have discussed in the House about the flood situation.

... (Interruptions)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : वहां की रोड बनाने के लिए पैसा दिया जाता है, लेकिन केन्द्र सरकार वादा करके भी पैसा नहीं देती है। मेरी मांग है कि जो पैसा यहां बकाया है और जो रिलीफ का पैसा यहां पड़ा है, वह वहां तुरंत भेजा जाए।

MR. SPEAKER: Shri Fatmi, let us accommodate others also. Please conclude now.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : इसके अलावा यहां से एक अध्ययन दल जाए जो वहां अध्ययन करे। हमारे क्षेत्र में दूसरे देश का पानी आ रहा है। मैं भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि वह अपना रुख साफ करे कि टीम भेजेगी या नहीं और रिलीफ भेजेगी या नहीं, क्योंकि अरबों रुपयों का नुकसान बिहार के अंदर हुआ है। कम से भारत सरकार ५०० करोड़ रुपये रिलीफ के रूप में तुरंत भेजे।

श्री मोहन सिंह (देवरिया): बाढ़ की विभीषिका से लोग त्रस्त हैं। छतों पर लोग रह रहे हैं। भारत सरकार कोई टीम न भेजे, कोई सहायता न दे, लोग परेशान हैं, ग़ृह मंत्री जी बैठे हुए हैं, वे कुछ कहें।

">

श्री राम नाईकः बिहार राज्य में जो बाढ़ आई है

... (व्यवधान)

"> ">

*m0">3

">

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): सहरसा, दरभंगा, मधेपुरा आदि ३० जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singhji, please take your seat. The hon. Minister is responding.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: You are a member of the Panel of Chairmen also, please understand.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Do you not want any reply from the Government? Shri Raghuvansh Prasad Singh, do you want a reply from the Government or not?

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, करोड़ों रुपए की फसल बर्बाद हो गई है।

... (व्यवधान)

बिहार में सड़कें टूट गई हैं। यातायात की व्यवस्था बिगड़ गई है।

... (व्यवधान)

इसलिए मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि राष्ट्रीय आपदा कोष से बिहार को अलग से राशि मुहैया करे जिससे बिहार के बाढ़ पीड़ित लोगों को राहत मिल सके।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, do you want a reply from the Government or not? Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: You are a member of the Panel of Chairmen.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : बिहार में जान माल की क्षति हुई है। मवेशी और लोग डूब कर मर गए हैं, इसलिए हमारी आपसे प्रार्थना है कि जो बिहार और उत्तर प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित लोग हैं, उन्हें राहत देने के लिए पर्याप्त राशि मुहैया कराई जाए, ऐसा कुछ प्रबन्ध किया जाए। बिहार और उत्तर प्रदेश में व्यवस्था ठीक करने के लिए भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा कोष से पर्याप्त मदद करे जिससे इस आपदा का मुकाबला किया जा सके।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, please take your seat.

... (Interruptions)

">

*m0">4

">

श्री राम नाईकः अध्यक्ष जी, बिहार बाढ़ग्रस्त हुआ है। बिहार में लोगों को बड़ी तकलीफ हो रही है, परेशानी हो रही है, इसलिए बिहार के इस दुख-दर्द में हम लोग भी सम्मिलित होते हैं। मैं चाहता हूं कि बिहार की सरकार भी इस संबंध में प्रयास करेगी।

... (व्यवधान)

आपने जो भावनाएं यहां व्यक्त की हैं, जो कठिनाइयां आपने यहां बताई हैं, मैं कृषि मंत्री जी के पास पहुंचा दूंगा ताकि वह इस संबंध में उचित निर्णय कर सके।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : यह क्या जवाब हुआ?

... (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, हम चाहते हैं कि बिहार में एक केन्द्रीय टीम भेजकर वहां का सर्वे कराया जाए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Fatmi, this is not good. He has already given the reply.

... (Interruptions)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : अध्यक्ष जी, हम चाहते हैं कि बिहार में टीम भेजी जाए और वहां का सर्वे कराया जाए।

... (व्यवधान)

आप टीम भेजेंगे या नहीं?

... (व्यवधान)

हम यह जानना चाहते हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except Shri Francisco Sardinha.

(Interruptions) *

MR. SPEAKER: This is not the way to compel the Minister. Last week also we had a discussion on the flood situation. The Minister had replied at that time also.

(Interruptions) *

MR. SPEAKER: We have discussed the flood situation many times.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Order, please.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सरकार द्वारा राष्ट्रीय आपदा कोष से बिहार की पर्याप्त मदद की जाए और छानबीन करके बिहार को विशेष राशि मुहैया कराई जाए। ... (व्यवधान)

---

*Not Recorded.

"> ">

*m0">5

">

श्री लालू प्रसाद (मधेपुरा) : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिए। उत्तर प्रदेश और बिहार में फ्लड की चर्चा हमारे माननीय सदस्यों ने की है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Fatmi has already raised this subject.

... (Interruptions)

श्री लालू प्रसाद : महोदय, अन्तरराष्ट्रीय नदियों से तबाही हो रही है। भारत सरकार को कोई टीम वहां भेजनी चाहिए। राहत की घोषणा करनी चाहिए। माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि भावनाओं से हम अवगत करा देंगे। भावनाओं से देश नहीं चलता है। भारत सरकार सिम्पैथी और भावना नहीं, कोई टीम भेजे। तबाही हो रही है और सैंकड़ों लोग मारे जा रहे हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I appeal to all hon. Members. Is this the way you want the House to be run? This is not the proper way. Do you want the House to be run on these lines?

... (Interruptions)

श्री लालू प्रसाद : यह दैवी आपदा है। भारत सरकार भावना अवगत कराने की बात कह रही है, इससे काम नहीं चलता। आप वहां एक टीम भेजिए। यह दैवी आपदा है और बाढ़ में लोग फंसे हुए हैं। अन्तरराष्ट्रीय नदी जो नेपाल से निकलती है, उससे तबाही हो रही है। सिर्फ बिहार, पिपरासी तटबन्ध ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश, दोनों राज्य, प्रभावित हैं।

... (व्यवधान)

इनको इससे मतलब नहीं है। ये गल्लाजोड़ मुनाफाखोर लोगों की चर्चा करना चाहते हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Lalu Prasad, you are a senior Member of this House. Please sit down. This is not proper.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Lalu Prasad, you are a senior Member. Please extend your cooperation.

... (Interruptions)

श्री लालू प्रसाद : आप वहां टीम भेजिए, जहाज भेजिए। भावनाओं से काम नहीं चलता है।

... (व्यवधान)

ये गल्लाजोड़, मुनाफाखोर की बात करना चाहते हैं। किसान, मजदूर और गरीब आदमी, सभी प्रभावित हो रहे हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Lalu Prasad, please take your seat. I am appealing to all hon. Members to please sit down.

... (Interruptions)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल): आप उन लोगों को भी बैठाइए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are a senior Member. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: You please take your seat now. I am appealing to all the other hon. Members also.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: I am appealing to all the hon. Members not to do this.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : ऐसे नहीं चलेगा।

... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (मधेपुरा) : कैसे चलेगा? क्या इस तरह यह हाउस आप चलाएंगे?

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am appealing to Shri Lalu Prasad and Shri Mulayam Singh Yadav not to do this. The hon. Minister is prepared to give a reply.

... (Interruptions)

MR.SPEAKER: Shri Madan Lal Khurana may please reply.

... (Interruptions)

श्री वीरेन्द्र सिंह (मिर्जापुर): अध्यक्ष महोदय, मैंने नोटिस दिया है। ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I called Shri Khurana to speak.

... (Interruptions)

श्री वीरेन्द्र सिंह महोदय, जिस सवाल को लालू यादव ने उठाया है उस विषय पर मुझे कुछ कहना है। मुझे उस पर घोर आपत्ति है। मेरा कहना यह है कि लालू यादव केवल किसानों के और गांवों के ठेकेदार नहीं हैं और यह सम्बोधित नहीं कर सकते। ... (व्यवधान)

SHRI LALU PRASAD (MADHEPURA): He is speaking derogatory and insulting language. ... (Interruptions)

11.57 hrs (At this stage Shri Lalu Prasad and some other hon. Members stood on the floor near the Table)

11.57 hes. (At this stage Shri Virendra Singh stood on the floor near the Table)

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I am appealing to the hon. Members to take their seats.

... (Interruptions)

11.58 hrs.

(At this stage Shri Virendra Singh went back to his seat)

11.58 hrs.

(At this stage Shri Lalu Prasad and some other hon. Members went back to their seats)

... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (मधेपुरा) : तुम।।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

... (Interruptions)

12.00 hrs.

MR. SPEAKER: Shri Lalu Prasad, this is not good.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: What is this?

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: All the unparliamentary words would be expunged from the records.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I am appealing to you. Please resume your seats.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seats.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Lalu Prasad, please go back to your seat.

... (Interruptions)

12.02 hrs

(At this stage, Shri Lalu Prasad and some other

hon. Members sat on the floor near the Table.)

MR. SPEAKER: Shri Mulayam Singh Yadav and Shri Lalu Prasad, this is not the proper way.

... (Interruptions)

---

*Expunged as ordered by the Chair.

MR. SPEAKER: Shri Lalu Prasad, I am appealing to you. Please resume your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Lalu Prasad, please go back to your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Mulayam Singh, this is not the proper way.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: No, no; please go back to your seats.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Today, we have important business and we have to complete it.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Mulayam Singh and Shri Lalu Prasad, I am appealing to you once again.

... (Interruptions)

12.05 hrs

(At this stage Shri Lalu Prasad and some other hon. Members went back to their seats)

"> ">

*m0">6

">

श्री शरद पवार (बारामती) : अध्यक्ष महोदय, सदन में आपने ममता जी को बोलने की इजाजत दी थी। आपने बार-बार ममता जी को बोलने के लिए कहा। ममता जी का नाम आने के बाद अन्य सदस्यों ने यहां आपके आदेश को स्वीकार नहीं किया। आपके बार-बार कहने के बाद भी उन्होंने आपके आदेश को स्वीकार नहीं किया। जिस तरह की बातें और भाषा का इस्तेमाल सदन में हुआ और जिस तरह की धमकियां देने की बात इस सदन में हुई, उसके लिए कहीं न कहीं सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। हम अपने विचार रख कर बात और संघर्ष कर सकते हैं, लेकिन जब विचार नहीं रहते हैं तो गालियों पर आ जाते हैं और इस सदन में गालियों को स्वीकार करके इस सदन में लोकतंत्र की गरिमा को बढ़ाने वालों में से हैं, अगर किसी को ऐसा लगता है तो हम इसका निषेध करना चाहेंगे। यहां जो कुछ हुआ, वह सदन की अप्रतिष्ठा जैसे था। इसके लिए कुछ न कुछ सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। मुझे मालूम नहीं, इस बारे में संसदीय कार्य मंत्री की क्या भावना है और वह क्या कहना चाहते हैं? उन्हें इसके लिए कोई न कोई बात करनी चाहिए। अगर इस तरह सदन की कार्यवाही चलेगी तो सदन बिल्कुल चल नहीं सकेगा। जिन लोगों ने यहां गालियां दीं, उन्हें सदन के सामने माफी मांगनी चाहिए, यह हमारी डिमांड रहेगी।

"> ">

*m0">7

">

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): अध्यक्ष जी, जो कुछ विपक्षी दल के नेता ने कहा, मैं उससे शत-प्रतिशत सहमत हूं - चाहे वह चीज इधर या उधर से हुई हो। अगर ये सब होना है तो हमारा यहां रहना बेकार है। सदन की जो हालत हो रही है, मुझे यह देख कर बहुत कष्ट हो रहा है। मैंने पहले भी निवेदन किया था कि हम को बैठ कर ऐसा कुछ विचार करना चाहिए जिससे हम कंट्रोल रखसकें और आत्मसंयम रख कर सदन को चला सकें।

अध्यक्ष महोदय, सदन का एक इतिहास और परम्परा रही है। जहां तक आज की घटना का सवाल है, मैं किसी बात पर न जाते हुए माफी और खेद प्रकट करना चाहूंगा। ... (व्यवधान) मेरी बात सुन लीजिए। मैं जब इधर से अनकंडिशनली माफी मांग रहा हूं। ... (व्यवधान) मैं विपक्षी दल के नेता से कहना चाहता हूं कि आप इस पर विचार करें। उन्होंने इस बारे में पहले बात की और १५ मिनट समय लिया। संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने उसका जवाब दे दिया। इसके बाद लालू जी खड़े हो गए। मैं लालू जी के बाद बोलने के लिए खड़ा होना चाहता था। मैं उन्हें संतुष्ट करने के लिए कहना चाहता था कि क्या बिहार सरकार ने सैंटर से टीम भेजने के लिए कोई इस तरह की बात की है? अगर की है तो मैं निश्चित रूप से इस बारे में बात करूंगा। हमारे कृषि राज्य मंत्री यहां नहीं हैं। वह करनाल गए हैं। शाम को आने वाले हैं। मैं जब तक उनसे बात नहीं कर लूंगा, मैं उसका कैसे हाउस में जवाब दे पाऊंगा? मैं यह कहने वाला था कि क्या वहां की मुख्यमंत्री राबड़ी देवी जी ने कोई प्रपोजल भेजा है या सहायता के लिए लिखा है?

... (व्यवधान)

मुझे नहीं मालूम। लालू जी बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। वह बिहार के राजा है।

... (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह (मिर्जापुर): वह वहां के राजा नहीं हैं।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना: अध्यक्ष जी, मैंने कहा कि इस सदन के

... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): अध्यक्ष महोदय, श्री लालू प्रसाद बिहार की मुख्यमंत्री के पति हैं, राजा नहीं हैं।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः आप मेरे व्यंग को समझा करो।

... (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, राजा शब्द रिकार्ड पर नहीं जाना चाहिये।

श्री प्रभुनाथ सिंह : वह बिहार की मुख्यमंत्री के पति हैं, राजा नहीं, ..।। है.

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः वे मुख्यमंत्री रहे हैं। वे इस सदन के भी सदस्य रहे हैं और आज भी हैं

... (व्यवधान)

.. क्योंकि जो शब्द बाद में इस्तेमाल किये और बाद में जिससे सारा प्रोवोकेशन हुआ

... (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, क्या ये माफी मांग रहे है?

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः मुलायम सिंह जी..

श्री प्रभुनाथ सिंह : क्या आप लोगों को आजादी है, छूट है चाहे जो कह लीजिये..

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The House stands adjourned till 1 P.M.

1212 hours

The Lok Sabha then adjourned till Thirteen of the Clock.

**Expunged as ordered by the Chair.

13.01 hrs

Lok Sabha reassembled at one minute past Thirteen of the Clock)

(Shri Raghuvansh Prasad Singh Singh in the Chair)

श्री शैलेन्द्र कुमार (चैल) : माननीय सभापति महोदय, ज़ीरो अवर में पहला नंबर मेरा लगा हुआ है। मैंने महत्वपूर्ण नोटिस दिया है। मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगा कि मुझे दो मिनट का समय दिया जाए।

... (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह : सभापति जी, मैंने हयूमन राइटस कमीशन के बारे में नोटिस दिया था।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सभापति जी, बिहार के बारे में क्या हुआ? ... (व्यवधान)

सभापति महोदय : उस संबंध में संसदीय कार्य मंत्री जी का बयान आ चुका है। इसलिए उस विषय को मत उठाइए।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : हम लोगों ने कुछ नहीं सुना।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने बयान दिया कि राज्य सरकार से आग्रह आने पर वहां केन्द्रीय टीम भेजी जाएगी।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : अब शून्यकाल का समय समाप्त हो गया है। अब नॉर्थ ईस्ट के संबंध में नियम १९३ के अधीन चर्चा पर बहस होगी।

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक) : मैंने तीन दिन पहले प्रिविलेज नोटिस दिया था, उसका क्या किया गया?

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : वह माननीय अध्यक्ष महोदय के विचाराधीन है।

डा. शफीकुर्रहमान बर्क (मुरादाबाद) : हमारे यहां एक थाने में पांच आदमियों की हत्या हुई है।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : क्या यह शून्यकाल का विषय है?

डा.शफीकुर्रहमान बर्क : जी हां।

सभापति महोदय : शून्यकाल की सभी सूचनाएं लंबित हैं और सोमवार को ली जाएंगी।

डा.शफीकुर्रहमान बर्क : समाजवादी पार्टी से एक भी सदस्य को बोलने का मौका नहीं दिया गया।

... (व्यवधान)

">